

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
माधिकार से प्रकाशित





सं० 57]

नई विल्ली, मंगलबार, घप्रैल 12, 1977/बेत्र 22, 1899

No 57]

NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 12, 1977/CHAITRA 22, 1899

इस भाग में भिम्म पृथ्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सर्वा।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

DEPARTMENT OF REVENUE & BANKING

(Revenue Wing)

PUBLIC NOTICES

New Delhi, the 12th April, 1977

No. DRAWBACK/PN-13'77.—Under rule 3 of the Customs and Central Excise Duties Drawback Rules, 1971 (Notification No 52 F. No 602'2'70-DBK published in the Gazette of India, Extraordinary, dated the 25th August, 1971), the Central Government hereby makes the following amendments in the Table published in the Public Notice No. DRAWBACK/PN-1 dated the 15th October, 1971 as amended from time to time '—

After sub-serial No. 2425 and the entries relating thereto, the following sub-serial No. and the entries shall be inserted, namely:—

Sub- S. No.	Description of goods	Rate of drawback
1	2	3
2426	(1) 6 Ply valve type multiwall paper sacks (4 ply 70 GSM+2 ply 80 GSM) size 16 37 37 30" (41.91x 7.62x 76 20 cms.) made from imported kraft paper and used for packing cement for exports	Rs. 2775 20 (Rupees two thousand seven hundred seventy five and paise twenty only) per one thousand bags.
	(2) 6 Ply valve type multiwall paper sacks (4 ply 70 GSM+2 ply 80 GSM) size 16 ½ x3 x30 ½ (41.91x7.62x76.84 cms) made from imported kraft paper and used for packing cement for exports.	Rs 2798.00 (Rupees two thousand seven hundred and ninety eight only) per one thousand bags.

ī 2 3

(3) 6 Ply valve type multiwall paper, sacks (4 ply 70 GSM+2 ply 80 GSM) size 16½"x3"x31" (41.91x 7.62x78.74 cms.) made from imported kraft paper and used for packing cement for exports.

Rs. 2885.00 (Rupees two thousand eight hundred and eighty five only) per one thousand bags

This Public Notice shall be deemed to have come into force on the 1st day of January, 1977.

All brand rates fixed for individual manufacturer/exporter in respect of above goods will stand withdrawn with the coming into effect of this Public Notice.

राजस्य झौर वेकिंग विभाग

(राजस्व पक्ष)

सार्वजनिक सचना

नई दिल्ली, 12 श्रप्रैल, 1977

स॰ प्रतिश्वरायगी सा॰ सू॰ 13 77.—सीमाणुल्क तथा वेन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रतिश्वदायगी नियमावली, 1971 (भारत वे राजपत्न, श्वसाधारण, दिनाक 25 श्रगस्त, 1971 में प्रकाशित श्रिधसूचना सं॰ 52 फा॰ स॰ 602 2 70-पृ॰ श्र॰) के नियम 3 के श्रधीन केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर यथासंशोधित सार्वजनिक सूचना स॰ प्रतिश्रदायगी पी॰ एन॰ 1, दिनाक 15 श्रक्तूबर, 1971 में प्रकाणित सारणी में एतद्द्रारा, निम्नलिखित सशोधन करती हैं:——

उपक्रमांक 2425 भीर तत्सबंधी प्रविष्टियों के पण्चाा निम्नलिखित उपक्रमाक भीर प्रविष्टिया भन्त स्थापित की जायेंगी, भ्रथीत् .---

उपक्रमांव	क माल का विवरण	प्रतिम्नदायगी की दर	
1	2	3	
2426	(1) भायात किये गये काफ्ट कागज से निर्मित भीर निर्यात के लिये सीमेट पैक करने के लिये ध्रस्तेमाल किये जा। वाले 6 प्लाई वास्व टाइप मल्टीवाल पेपर बोरे (4 प्लाई 70 जी० एस० एम० $+2$ प्लाई 80 जी० एस० एम०) भाकार $16\frac{1}{2}'' \times 3'' \times 30''$ (41.91 \times 7.62 \times 76.20 से० मी०)	2775.20 रु० (केवल सत्ताइस सौ पचहत्तर रुपये बीस पैसे) प्रति एक हजार बोरे ।	
-	(2) म्रायात किये गये ऋाफ्ट पेपर से निर्मित भीर निर्यात के लिये सीमेंट पैक करने फे लिये इस्तेमाल किये जाने वाले 6 प्लाई वाल्व टाइप मल्टीवाल पेपर बोरे (4 प्लाई 70 जी० एस० एम० $+$ 2 प्लाई 80 जी० एस० एम०) म्राकार $16\frac{1}{2}'' \times 3'' \times 30\frac{1}{2}''$ (41.91 \times 7.62 \times 76 84 से \circ मी \circ)	2798.00 रु० (केवल सत्ताइस सौ झट्ठानवें रुपये) प्रति एक हजार बोरे।	

2

3

(3) प्रायात किये गये काफ्ट पेपर से निर्मित श्रीर निर्यात के लिये सीमेंट पैक करने के लिये 6 प्लाई वाल्व टाइप मल्टीवाल पेपर बोरे (4 प्लाई 70 जी॰एस॰ एम॰ + 2 प्लाई 80 जी॰ एस॰ एम॰) प्राकार $16\frac{1}{2}^{"} \times 3^{"} \times 31^{"}$ (41.91 \times 7 62×78 74 से॰ मी॰)

2885.00 रू० (नेवल भट्ठाइस सौ पच्चासी रुपये) प्रति एक हजार बोरे।

यह सार्वजनिक सूचना जनवरी 1977 के प्रथम दिन को लागू हुई समझी जायेगी।

उपर्युक्त माल के संबंध में ग्रलग-श्रलग निर्माता/निर्यातकर्ता के लिए निर्धारित सभी बाण्ड दरें इस सार्वजनिक सूचना के लागू होते ही बापिस ले ली गई मानी जायेगी।

No. DRAWBACK/PN-14'77.—Under rule 3 of the Customs and Central Excise Duties Drawback Rules, 1971 (Notification No. 52/F. No. 602'2/70-DBK published in the Gazette of India, Extraordinary, dated the 25th August, 1971), the Central Government hereby makes the following amendments in the Table published in the Public Notice No DRAWBACK/PN-1 dated the 15th October, 1971, as amended from time to time:

After sub-serial No. 2402 and the entries relating thereto, the following sub-serial No. and the entries shall be inserted, namely:—

Sub- Sl. No.	Description of goods	Rate of drawback
I	2	3
2403	Carbon paper made out of tissue paper of 20/ GSM.	Rs. 4.95 (Rupeer four and palse nuncty five only) per one thou- sand foolscap sheets.

NOTE.—(1) The term foolscap refers to size $8\frac{1}{2}" \times 13"$.

(2) The rate of drawback on carbon paper of sizes other than foolscap shall be proportionately higher or less than the rate indicated above according as the area of such paper is higher or lower than the foolscap size.

All brand rates fixed for individual manufacturer/exporter in respect of the above goods will at and withdrawn with the coming into effect of this Public Notice.

C. D. RANGACHARI, Dy. Sccy.

सं प्रतिश्रवायगी सा क्रू०-14/77.—सीमा-शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रतिश्रदायगी नियमावली, 1971, (भारत के राजपल, असाधारण, दिनाक 25 श्रगस्त, 1971 में प्रकाशित श्रिधसूचना सं 52/फा क्संख्या 602/2 70 प्र थ थ) के नियम 3 के श्रिधीन, केन्द्रीय सरकार,

उपक्रमांक 2402 तथा तत्सबंधी प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित उपक्रमाक तथा प्रविष्टियों भन्तःस्यापित की जायंगी, श्रर्थातः :---

उपक्रमांक	माल का विवरण	प्रतिश्रदायगी की दर
1	2	3
2403	20 ['] 21 जी० एस० एम० के टिशू कागज से बना कार्बन कागज।	4.95 रु० (केवल चार रूपये पंचान ने पैसे) प्रति 1,000 फुलिसकेप शीटें।

टिप्पणी.—(1) 'फुलिसकेप' शब्द $8\frac{1}{4} \times 13''$ के आकार की निर्दिष्ट करता है।

(2) फुलिसकेप से भिन्न भ्राकारों के कार्बन कागज पर प्रतिभ्रदायगी की दर ऊपर उल्लिखित दर से भ्रनुपाततः भ्रधिक भ्रथवा कम होगी, क्योंकि ऐसे कागज का क्षेत्रफल फुलिसकेप भ्राकार से भ्रधिक भ्रथवा कम होता है।

> इस सार्वेजनिक पूचना के लागू होने से उपर्युक्त माल के सबध में अलग-अलग निर्माता, निर्यातकर्ता के लिये निश्चित की गई सभी बाण्ड दरें वापस ले ली गयी समझी जायंगी।

> > सी० डी० रंगाचारी, उप सचिव।

महा प्रवन्धक, भारत सरकार मृद्रणालय, मिन्टो रोह, नई दिल्ली हारा मृद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली हारा प्रकाशित 1977